चीनी की बढ़ी मांग, 90 लाख टन निर्यात का अनुमान

- बांग्लादेश और इंडोनेशिया सबसे बड़े आयातक देश
- 80 लाख टन चीनी का अब तक हो चुका है निर्यात सौदा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: वैश्विक बाजार में बढ़ी मांग के मद्देनजर भारतीय चीनी की निर्यात मांग में तेजी आई है। चालू चीनी वर्ष (अक्टूबर से सितंबर) में 90 लाख टन चीनी निर्यात का अनुमान है। जबकि पिछले सीजन में कुल 72 लाख टन चीनी का निर्यात हो सका था। भारतीय चीनी के सबसे बड़े आयातक बांग्लादेश और इंडोनेशिया हैं।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के मुताबिक फिलहाल 80 लाख टन चीनी का निर्यात सौदा हो चुका है, जबकि 57 लाख टन से अधिक चीनी का निर्यात किया जा चुका है। लगभग आठ लाख टन निर्यात पाइप लाइन में है। जबकि पिछले साल की इसी अवधि में अब तक 31.85 लाख टन चीनी का निर्यात किया गया था। चालू चीनी वर्ष 2021-22 के मार्केटिंग सीजन में चीनी उत्पादन का संशोधित अनुमान 3.50 करोड़ टन है। इसी तरह वर्तमान सीजन में चीनी निर्यात को भी संशोधित कर दिया गया है। वैश्विक बाजार की निकल रही मांग को देखते हुए इसे बढ़ाकर 90 लाख टन कर दिया गया है। केंद्रीय खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने चालू सीजन में कुल 80 लाख टन चीनी निर्यात का अनुमान लगाया था। जबकि 30 सितंबर 2022 को चीनी का क्लोजिंग बैलेंस 68 लाख टन रहने का अनुमान है। वर्ष 2020-21 के दौरान 72 लाख टन चीनी का निर्यात किया गया था।

इस्मा के मुताबिक 15 अप्रैल 2022 तक कुल 3.29 करोड़ टन चीनी का उत्पादन हो चुका है। इसके मुकाबले पिछले साल की इसी अवधि तक कुल 2.92 करोड़ टन चीनी का उत्पादन किया गया था। महाराष्ट्र में पिछले साल के 1.03 करोड़ टन मुकाबले 15 अप्रैल तक 1.26 करोड़ टन चीनी का उत्पादन कर लिया गया है। जबकि उत्तर प्रदेश में पिछले साल के 1.09 करोड़ टन के मुकाबले इस साल अभी तक 94.41 लाख टन चीनी का उत्पादन हो सका है।